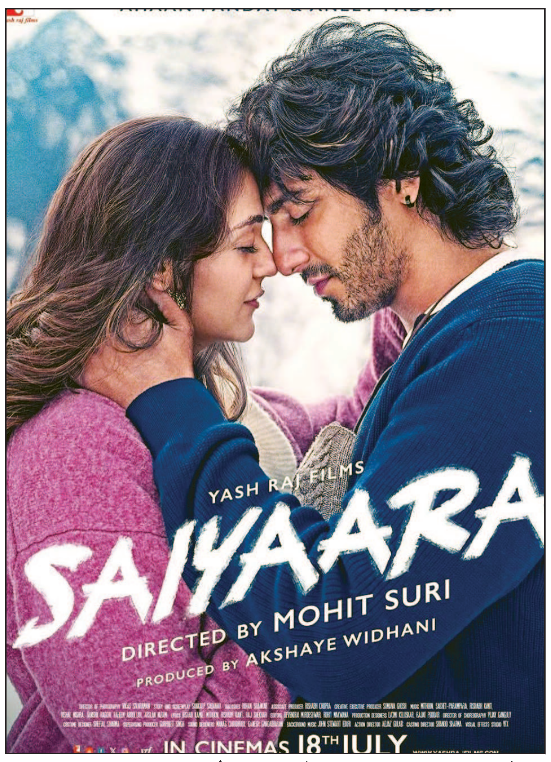

300 करोड़ के क्लब में शामिल हुई सैयारा

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) के बैनर तले बनी फिल्म 'सैयारा' ने भारतीय बाजार में 300 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है. मोहित सूरी के निर्देशन में बनी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी निर्मित सैयारा,18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है.इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की मुख्य भूमिका है. अहान और अनीता की रोमांटिक केमिस्ट्री को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं. 'सैयारा' लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है.

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म सैयारा ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 172. 75करोड़ की कमाई की थी. वहीं, दूसरे सप्ताह में 107. 75करोड़ की कमाई की. 15वें दिन 4.5करोड़,16वें दिन 6.75 करोड़, 17वें दिन फिल्म ने 08 करोड़ रूपये की कमाई की. अब 18 वें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म सैयारा ने 18वें दिन 2.5 करोड़ रूपये की कमाई की है. इस तरह फिल्म सैयारा भारतीय बाजार में 302.5करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है.

राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभाएंगी प्रियांशी यादव

अभिनेत्री प्रियांशी यादव चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान में बहादुर राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभाती नजर आयेंगी.

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान अब कहानी में एक बड़ा बदलाव लाने वाला है. जल्द ही दर्शक देखेंगे कि राजा जयचंद की बेटी, राजकुमारी संयोगिता का बड़ा रूप नजर आएगा, जिसे एक्ट्रेस प्रियांशी यादव निभाएंगी. उनकी एंट्री के साथ शो में एक नया दौर शुरू होगा, जिसमें और गहरी भावनाएं और इतिहास की मशहूर प्रेम कहानी पृथ्वीराज और संयोगिता दिखाई जाएगी.

अपनी एंट्री को लेकर प्रियांशी ने कहा, मैं इतने बड़े शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश और आभारी हूं. पृथ्वीराज और संयोगिता की प्रेम कहानी इतिहास की सबसे मशहूर और यादगार कहानियों में से एक है. यह पहली बार है जब मैं कोई ऐतिहासिक किरदार निभा रही हूं.

51 वर्ष की हुईं काजोल

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री काजोल आज 51वर्ष की हो गयी. 05 अगस्त 1974 को मुंबई में जन्मी काजोल को अभिनय की कला विरासत में मिली. उनके पिता सोमु मुखर्जी निर्माता जबकि मां तनुजा जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी. घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण काजोल अक्सर अपनी मां के साथ शूटिंग देखने जाया करती थी. इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगी. काजोल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ कान्वेंट पंचगनी से की.इसके बाद उन्होंने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1992 में प्रदर्शित फिल्म 'बेखुदी' से की. युवा प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका कमल सदाना ने निभायी लेकिन कमजोर पटकथा और निर्देशन के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी.

वर्ष 1993 में काजोल को अब्बास-मुस्तान की फिल्म 'बाजीगर' में काम करने का अवसर मिला. इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका शाहरूख खान ने निभायी थी. यूं तो पूरी फिल्म शाहरूख खान पर केन्द्रित करके बनायी गयी है लेकिन काजोल ने अपने दमदार अभिनय से दर्शको का दिल जीत लिया.वर्ष 1994 काजोल के सिने कैरियर में अहम वर्ष साबित हुआ. इस वर्ष उनकी उधार की जिंदगी, ये दिल्लगी और करण अर्जुन जैसी फिल्म प्रदर्शित हुयी.

उधार की जिंदगी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी लेकिन काजोल ने अपने दमदार अभिनय से दर्शको का दिल जीत लियावही बांबे फिल्म जर्नलिस्ट ऐशोसियेशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित की गयी.

निहारिका रॉय निभाएंगी सावी का किरदार

'**घरवाली** पेड़वाली' दर्शकों को भावनाओं, हंसी और डरावने सरप्राइज से भरी एक मज़ेदार रोलरकोस्टर राइड पर ले जाने के लिए तैयार है. इस अनोखी और ताज़गी भरी कहानी में चार चांद लगाने आ रही हैं जोशीली और प्रतिभाशाली अभिनेत्री निहारिका रॉय. इस शो में वह 'सावी' का किरदार निभाती नजर आएंगी. सावी एक जेन-ज़ी लड़की है- जो निडर, आत्मविश्वास से भरपूर और फैशन में सबसे आगे इस अनोखे लव ट्राएंगल में 'घरवाली' के रूप में सावी की एंट्री कई दिलचस्प मोड़ लाने वाली है. अपने स्टाइलिश एटीट्यूड और दिलकश अंदाज़ के साथ, निहारिका दर्शकों पर एक गहरी छाप छोड़ने को पूरी तरह तैयार हैं. 'सावी' के अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निहारिका रॉय ने कहा, ''सावी सिर्फ़ एक किरदार नहीं है, वह एक पूरी वाइब है. वह आज की आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और निडर लड़कियों का प्रतिनिधित्व करती है, जो अपनी ज़िंदगी की कमान खुद संभालना जानती हैं. मुझे उसका बेझिझक बोलना, बिंदास अंदाज़ और अपनी बात बेबाक़ी से रखने वाला स्वभाव बहुत पसंद है. वह टीवी पर दिखाए जाने वाले पारंपरिक महिला किरदारों से बिल्कुल अलग है. उसकी सबसे खास बात है उसका आधुनिक नजरिया, भावनात्मक मैच्योरिटी, और साथ ही छोटे शहर की एक हल्की-सी मासूम सी झलक. मुझे भी असल ज़िंदगी में मस्ती भरी नोंक-झोंक और अचानक की गई शरारतें पसंद हैं, इसलिए सावी का किरदार निभाना मेरे लिए काफी नैचुरल है. यह रोल मेरे लिए न सिर्फ़ रोमांचक है बल्कि इमोशनल रूप से भी बेहद खास है.

बादाम हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद: सोहा अली

त्योहारों में अक्सर स्वादिष्ट पकवानों और मिठाइयों का आनंद लिया जाता है. हालांकि भोजन के साथ जश्न मनाना स्वाभाविक है, लेकिन संतुलित और सोच-समझकर किए गए चुनाव भी उतने ही ज़रूरी हैं. इस रक्षाबंधन, कैलिफ़ोर्निया बादाम को बनाएं अपने फेस्टिव डाइट का हिस्सा और खुशियों के साथ-साथ सेहत का भी करें स्वागत.

बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और लंबे समय तक सेहत बनाए रखने में मदद करते हैं. ये ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में असरदार हैं, जिससे दिल की सेहत बेहतर होती है. अगर हम रोज़ के खाने में बादाम शामिल करें, तो हम एक बेहतर और स्वस्थ भविष्य की शुरुआत कर सकते हैं.

जब आप त्योहारों के लिए खाने की चीज़ें बना रहे हों, तो चीनी की जगह प्राकृतिक मिठास का इस्तेमाल करें और तली हुई चीज़ों की जगह बेक्ड चीज़ें चुनें. अगर आप अपने त्योहारों में कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे छोटे बदलाव जोड़ें, तो यह न सिर्फ स्वाद बढ़ाएगा बल्कि आपके परिवार की सेहत, खुशी और लंबे समय की भलाई के लिए भी फायदेमंद होगा.

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने रक्षाबंधन सेलिब्रेशन के बारे में बताया, रक्षाबंधन हमारे लिए बहुत खास दिन है. मैं हेल्दी और स्वादिष्ट चीजें बनाती हूं, जैसे ग्रिल्ड बादाम बर्फी और बादाम ब्राउनी. मैं रोज़ाना की तरह अपने पति और बेटी को सुबह बादाम देना नहीं भूलती, चाहे त्योहार हो या आम दिन. बादाम न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं.

01 मई 2026 को को रिलीज होगी जी 2

अदिवि शेष, इमरान हाशमी और वामीका गब्बी की फिल्म जी 2,01 मई 2026 को रिलीज होगी.

गुडाचारी (2018) की सातवीं सालगिरह के मौके पर जी 2 के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज़ डेट 01 मई 2026 का ऐलान करते हुए अदिवि शेष, इमरान हाशमी और वामीका गब्बी के दमदार फर्स्ट-लुक पोस्टर्स रिलीज़ किया है.ये पोस्टर्स जी 2 की हाई-ऑक्टेन, बड़े पैमाने पर बनी जासूसी दुनिया की झलक देते हैं. यह एक स्टाइलिश स्पाई थ्रिलर है जिसे खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए तैयार किया गया है. पहले से कहीं ज़्यादा बड़े स्तर पर बनी इस फिल्म में दांव भी ऊंचे हैं, और कहानी का दायरा भी. जी 2 भारतीय स्पाई थ्रिलर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने का वादा करती है.

इस मौके पर अभिनेता अदिवि शेष ने कहा,जी 2 हमारे लिए एक सफर रहा है जिसे हमने सालों से जिया और महसूस किया है. निर्देशक विनय कुमार सिरीगिनेडी के साथ हमने कुछ बड़ा सोचने की हिम्मत की है. इस कहानी को वैश्विक स्तर तक ले जाते हुए भी इसकी आत्मा को बेहद व्यक्तिगत रखा है. इमरान और वामीका के किरदार बहुत ही दमदार हैं, और उनकी परफॉर्मेंस ने फिल्म की स्केल और इंटेंसिटी को एक अलग ही स्तर पर पहुंचा दिया है. यह हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, उससे कहीं ज़्यादा है.

फिल्म जी 2 में मुरली शर्मा, सुप्रिया यारलागड्डा और मधु शालिनी जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे. ये सभी मिलकर दर्शकों को भरपूर एक्शन, साज़िश और थ्रिल से भरपूर सिनेमा का अनुभव देने का वादा करते हैं.

भूषण कुमार प्रस्तुत भावपूर्ण भक्ति गीत मधुराष्टक रिलीज

सीरीज़ और भूषण कुमार प्रस्तुत भावपूर्ण भक्ति गीत मधुराष्टक रिलीज हो गया है.

टी-सीरीज़ और भूषण कुमार भक्ति गीत मधुराष्टक लेकर आए हैं जिसे जुबिन नौटियाल ने गाया है . यह प्रस्तुति भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित पारंपरिक संस्कृत श्लोकों पर आधारित है, जो आध्यात्मिकता और आधुनिक भावनाओं का सुंदर संगम है.

इस गीत का संगीत प्रसन्ना सुरेश द्वारा अरेंज और प्रोड्यूस किया गया है, जिसमें नवीन कुमार की बांसुरी की मधुर ध्वनि इसे और भी जादुई बना देती है. मिक्सिंग और मास्टरिंग आउटफ्लाई ने की है, जबकि वोकल एडिटिंग शुभम श्रीवास्तव द्वारा की गई है. इस गीत के वीडियो में जुबिन नौटियाल, सार्थक सिन्हा और वरायन मल्होत्रा नज़र आते हैं. यह कहानी एक छोटे बच्चे की है, जो अपनी मां को खोने के बाद दुनिया की यात्रा पर निकलता है और अंततः भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में शांति और जीवन का उद्देश्य पा लेता है.

धान की फसल को तबाह कर सकते हैं ये कीट

फसल को कीटों के प्रकोप से बचाने की चुनौती भी बढ़ जाती है. फसल की शुरुआती अवस्था में तना छेदक, फुदका (हॉपर) और पत्ती लपेटक जैसे प्रमुख कीटों का आक्रमण होता है, जो पौधे की बढ़वार और उपज दोनों को भारी नुकसान पहुंचाते हैं. इसलिए, एक अच्छी पैदावार सुनिश्चित करने के लिए इन कीटों की समय पर पहचान कर उनके नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाना बेहद जरूरी है, ताकि फसल को नुकसान से बचाया जा सके.

फुदका कीट धान की फसल के लिए बहुत हानिकारक है. यह मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है- हरा फुदका और भूरा फुदका. हरा फुदका कीट हरे रंग का होता है और पत्तियों से रस चूसता है, जिससे पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं और पौधे की वृद्धि रुक जाती है. दूसरा है भूरा फुदका यानी बीपीएच. यह फसल के लिए बेहद हानिकारक हानिकारक है. यह कीट पौधे के तने के निचले हिस्से यानी पानी की सतह के पास में समूह में पाया जाता है और तने से रस चूसता है. इसके प्रकोप से पौधे पूरी तरह सूख जाते हैं, जिसे हॉपरबर्न कहा जाता है.

खेत में पौधों के निचले हिस्सों की नियमित निगरानी करें. भूरे फुदके के नियंत्रण के लिए, कीटनाशक का छिड़काव पौधे के तने और जड़ों की ओर करें. इमिडाक्लोप्रिड 17.8ल्ल स्र 1 मिलीलीटर दवा को 3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

पत्ती लपेटक कीट से रहें सावधान - पत्ती लपेटक कीट पत्तियों को नुकसान पहुंचाकर पौधे की भोजन बनाने की प्रक्रिया को बाधित कर देता है. इसकी सुंडी (लार्वा) पत्ती के दोनों किनारों को रेशम जैसे धागे से सिलकर उसे लपेट देती है. यह लिपटी हुई पत्ती के अंदर रहकर उसके हरे पदार्थ (क्लोरोफिल) को खुरचकर खाती है. प्रभावित पत्तियां ऊपर से सफेद और जालीदार दिखाई देती हैं और बाद में सूख जाती हैं. फसल में प्रकोप दिखने पर, खेत के दोनों छोर से एक लंबी रस्सी पकड़कर फसल के ऊपर से फिराएं.

बिना झंझट घर पर ही गमले में उगा सकते हैं अनार

एक अनार और सौ बीमार की कहावत तो आपने सुनी हुई होगी. ये कहावत अनार के गुणों और इसकी मांग समेत लोकप्रियता के लिए जानी जाती है. असल में अनार में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें विटामिन, फाइबर, आयरन, पोटैशियम, और जिंक पाया जाता है. इन्हीं वजहों से बाजारों में अनार की मांग सालों भर बनी रहती है. लेकिन सोचिए अगर सुबह उठते ही अपने गार्डन में लगे अनार के पेड़ से ताजा फल तोड़कर बिना बाजार जाए, बिना मिलावट के अनार खाएं तो ये सपने जैसा लगता है ना? लेकिन ये सपना आप आसानी से हकीकत में बदल सकते हैं, क्योंकि इसे घर के गमले में उगाना बेहद आसान है. बस आपको जाननी है सही तकनीक, सही मौसम और थोड़ी देखभाल के ट्रिक्स.

गमले में कब लगाएं अनार का पौधा?

अनार का पौधा लगाने का सबसे उपयुक्त समय जुलाई से सितंबर तक होता है. इन महीनों में मिट्टी में नमी बनी रहती है और मौसम न ज्यादा गर्म होता है न ठंडा. इससे पौधे को जड़ें जमाने में आसानी होती है और पौधा जल्दी पनपता है. इसलिए आप अभी ही घर के गमले में अनार का पौधा लगा सकते हैं.

गमले में कैसे लगाएं अनार का पौधा?

अगर आपके पास जगह की कमी है तो अनार का पौधा बड़े गमले में भी लगाया जा सकता है. इसके लिए मिट्टी में गोबर की खाद, बालू को बराबर मात्रा में मिलाएं. फिर गमले में पौधे को लगा दें. पौधा लगाने के बाद उसे ऐसी जगह रखें जहां कम से कम 6 घंटे धूप आती हो.अगर आप अनार का पौधा जमीन में लगा रहे हैं तो ऐसी जगह चुनें जहां धूप भरपूर आती हो और पानी जमा न होता. एक गड्ढा खोदें, उसमें अच्छी मिट्टी और खाद भरें, फिर पौधा लगाकर हल्के हाथों से दबाएं. हर 2ङ्क3 दिन में पानी देते रहें. पौधा लगने के बाद शुरुआत में थोड़ी छांव देना फायदेमंद हो सकता है.

इन बातों का रखें ध्यान

अगर पौधे की सही देखभाल की जाए कुछ समय बाद सूखी टहनियों को काट दें. इसके अलावा कीटों से सुरक्षा और पर्याप्त धूप देना भी जरूरी होता है. इन बातों का ध्यान रखने से फल जल्दी आते हैं. जब पौधे में फूल आने लगते हैं, तो आमतौर पर 5ङ्क6 महीने के भीतर फल पककर तैयार हो जाता है. इस दौरान पौधे को संतुलित पानी और भरपूर धूप मिलती रहनी चाहिए. अगर मौसम सही और पौधा स्वस्थ रहा तो फल अच्छे आकार और स्वाद वाले होंगे

उड़द की खेती से किसान कमा सकते हैं मोटा मुनाफा

बरसात का मौसम आते ही खेतों में हरियाली की उम्मीद बढ़ जाती है और किसान भाई दलहनी फसलों की ओर रुख करते हैं. खासकर उड़द की खेती इस मौसम में सबसे फायदेमंद मानी जाती है. न सिर्फ यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है, बल्कि इससे किसानों को अच्छा मुनाफा भी होता है. अगर आप भी इस खरीफ सीजन में उड़द की खेती करने का सोच रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद काम की है.

ऑनलाइन मिल रहा है उड़द का बेहतरीन बीज

किसानों की सुविधा के लिए अब राष्ट्रीय बीज निगम (ह्वस्ह्) ने उड़द के उन्नत बीज ऑनलाइन बेचने शुरू कर दिए हैं. किसान बिना किसी परेशानी के इस बीज को निगम की वेबसाइट से ऑर्डर कर सकते हैं और अपने घर पर ही मंगवा सकते हैं. खास बात यह है कि इस बीज पर अभी 16ल्ल की छूट भी मिल रही है और 5 किलो का पैकेट सिर्फ 866 रुपये में उपलब्ध है. इतना ही नहीं, बीज के साथ मुफ्त जैकेट भी मिल रही है, लेकिन यह ऑफर 13 जुलाई तक ही मान्य है.

उड़द की किस्म और उसकी खूबियां

यह खास उड़द की किस्म ऐसी है जिसे रबी और खरीफ दोनों मौसम में उगाया जा सकता है. इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह येलो मोजेक, पत्तियों पर धब्बे और पाउडरी मिल्ड्यू जैसे रोगों से सुरक्षित रहती है. यह फसल 80 से 90 दिनों में तैयार हो जाती है और एक हेक्टेयर में 10 से 15 क्विंटल उपज देती है. यह किस्म कम और ज्यादा दोनों तरह की नमी में भी अच्छी पैदावार देती है.

बरसात में गाय-भैंस का दूध निकालते वक्त बरतें सावधानी

मास्टिटिस स्तन ग्रंथि की सूजन है, कई बार तो जख्म भी हो जाते हैं. दूध उत्पादन भी कम हो जाता है. और ये सब होता है गाय-भैंस में थनैला बीमारी होने पर. थनैला बीमारी को डेयरी में होने वाला सबसे बड़ा नुकसान माना जाता है. साफ-सफाई का ध्यान न रखते हुए लापरवाही के साथ दूध निकालने के चलते पशुओं में थनैला बीमारी होती है. लेकिन कुछ उपाय हैं जिन्हें अपनाया जाए

तो गाय-भैंस को थनैला बीमारी नहीं होगी.

- दूध निकालने से पहले थनों की सफाई ना करना.
- दूध निकालने वाले के कपड़े और हाथों के गंदा होने पर.
- दूध निकालने वाला अगर बीमार है.
- जिस बर्तन में दूध निकाला जा रहा उसका साफ ना होना.
- गंदी जगह पर बैठकर पशु का दूध निकालना.
- गाय-भैंस के बच्चे को दूध पिलाने के बाद थनों को ना धोना.
- पशु के पेट, थन और पूंछ पर चिपकी गंदगी से.

थनैला बीमारी के बारे में डेयरी एक्सपर्ट

- दूध दुहते समय पानी, बर्तन और फर्श की गुणवत्ता को लेकर अलर्ट रहें.
- डेयरी में काम करने वाली लेबर के गंदा रहने और उनके गंदे कपड़े बीमारी को बढ़ा देते हैं.
- खराब खान-पान और तनाव पशुओं में थनैला से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं.
- लुवास के वाइस चांसलर (वीसी) के मुताबिक थनैला बीमारी की पहचान दूध से की जा सकती है.
- दूध में मौजूद अल्फा1 ग्लाइको प्रोटीन की जांच से थनैला के बारे में वक्त रहते पता लग जाएगा.
- इसके लिए दूध के नमूने को स्फेक्ट्रो फोटो मीटर की मदद से जांचा जाता है.
- अगर पशु थनैला बीमारी से पीड़ित है तो दूध में मौजूद अल्फा1 ग्लाइको प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाएगी.